

## हसदेव अरण्य में आवंटति कोल ब्लॉक रद्द करने हेतु वधानसभा में अशासकीय संकल्प पारति

### चर्चा में क्यों?

26 जुलाई, 2022 को छत्तीसगढ़ वधानसभा ने जनता कॉन्ग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के वधायक धर्मजीत सहि द्वारा प्रस्तुत हसदेव अरण्य क्षेत्र में आवंटति कोल ब्लॉक रद्द करने के अशासकीय संकल्प को सर्वसम्मति से पारति कर दिया ।

### प्रमुख बदि

- वधानसभा में वधायक धर्मजीत सहि ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 57 हजार मलियन टन का कोयला भंडार है । 50 साल में भी 25 फीसदी ही खनन कयि जा सकता है ।
- गौरतलब है कि हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन के लयि वर्तमान में स्वीकृत परसा ईस्ट एवं केते बासेन कोयला खदान के लयि लगभग 2,22,921 वृक्ष एवं परसा कोयला खदान के लयि लगभग 99,107 वृक्षों की कटाई होनी है ।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 1995 वर्ग कमी. क्षेत्र में लेमरु एलफिंट रजिर्व घोषति कयि है । उससे जुड़े कोल ब्लॉक में रोक लगाने की मांग केंद्र से की गई है ।
- गौरतलब है कि हसदेव अरण्य में कोल ब्लॉक एकसटेशन कयि जा रहा है । राजस्थान की वदियुत कंपनी को कोल ब्लॉक का आवंटन कयि गया है । कोल ब्लॉक की एनओसी लंबे समय तक अटकी थी । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के छत्तीसगढ़ आगमन के बाद छत्तीसगढ़ वन वभाग द्वारा एनओसी जारी की गई थी ।
- वही राजस्थान की बजिली कंपनी के एमडी वगित दनिों छत्तीसगढ़ आये थे । उन्होंने मुख्य सचवि और कलेक्टरों से मलिकर खनन का कम शीघ्र शुरू कराने का आग्रह कयि था । हसदेव अरण्य का मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुँच चुका है । वही हसदेव के जंगलों को बचाने के लयि 'हसदेव बचाओ अभयान' भी चलाया जा रहा है ।